बाबा मिलन से पूर्व चलने वाले गीतों पर मन की ड्रिल करने की विधि

1. चलो हम चलें पांच तत्वों से पार --- ड्रिल - 10 सेकेण्ड अपने को आत्मा देखें फिर दस सेकेण्ड परमधाम में बाबा को देखें - यह ड्रिल दस मिनट करनी है।

2. जाना है हमें अपने परमधाम----- ड्रिल - यह तत्व का शरीर लुप्त हो गया---- बच गई मैं आत्मा, अब मैं आत्मा चली ऊपर की ओर परमधाम में .... फिर स्वमान मैं अशरीरी आत्मा परमधाम में स्थित हूं ---- इसी स्वमान में स्थित हो जाएं।

3. मन पंछी उड जा वतन में -- ड्रिल - में आत्मा उड़ता पंछी - देह और देह की दुनिया के बंधनों से मुक्त हूं -- चली ऊपर परमधाम में....

4. जी करता है बाबा हम पास तेरे उड़ आएं, पिंजरे --- ड्रिल - बाबा की किरणें मुझ पर पड़ रही हैं, देह रूपी पिंजरे में बंद मैं आत्मा पिंजरे को तोड़कर अपना फरिश्ता रूपी चोला लेकर निकल चली अव्यक्त वतन की ओर --- बाबा बाहें पसारे खड़े हैं -- बाबा का हाथ मेरे हाथ में है और बाबा से प्यार भरी दृष्टि ले रही हूं...

5. बाबा के संग जाना है परमधाम .... ड्रिल - परमधाम को देखें - आत्माओं का झाड़ चमकता हुआ, अब दिव्य ज्योति मेरे सामने आ गई और बाबा की गुणों की किरणें मुझ पर पड़ रही हैं.....

6. झिलमिल सितारे बनकर, उडके वतन में जाऊं... ड्रिल - मैं झिलमिल सितारा -परमधाम में स्थित हूं., परमधाम में झिलमिल सितारा चमक रहा हूं...इसी विजन में स्थित रहकर आत्मिक सुख का अनुभव करें...।

7. मिला वतन का खुला निमत्रंण, चलो मनाने प्रभू मिलन ... ड्रिल - बांहे पसारे बाबा वतन में खड़े हैं और हम सब बच्चों का आहवान कर रहे हैं .... अपने को अव्यक्त वतन में बाबा के पास अनुभव करना ....

8. प्रभू मिलन की मस्तियों में झूमता मन गा रहा ..... ड्रिल - बाबा की पवित्रता की सफेद किरणें मुझ पर पड़ रही हैं .. और पूरी देह में फैल रही हैं ... खुशी की फीलिंग में रहें...।

9. तुम्हारी याद बाबा अनोखी शक्ति देती है..ड्रिल - लाल रंग की शक्तियों की किरणें परमधाम से मुझ पर पड़ रही हैं औश्र मेरी पूरी देह में फैल रही हैं, सर्व शक्तियों की किरणों से मैं आत्मा फुल चार्ज हो रही हूं--।

10. आपकी याद बाबा रह रहकर आए, देगा कौन इतना प्यार .. ड्रिल - परमधाम से प्यार के सागर की प्यार की किरणें मुझ पर पड़ रही हैं और मै परमात्म प्रेम से भरपूर हो गई हूं----।

11. भृकुटि की कुटिया में बैठे ही बैठे --- ड्रिल - पांच बार यह ड्रिल करनी है --1. मैं परम पवित्र आत्मा भृकुटि में विराजमान हूं। मुझसे पवित्रता की किरणें निकलकर पूरी देह में फैल रही हैं.... मैं शान्त स्वरूप आत्मा हूं .... मुझसे शान्ति की किरणें निकलकर पूरी देह में फैल रही हैं ------।

12. तार मन की तुम्हीं से जुड़ी ही रहे ----- ड्रिल - परमधाम में स्थित होकर अनुभव करें बाबा से लाइट माइट की किरणें निकलकर मुझ आत्मा पर पड़ रही हैं... मैं आत्मा फुल चार्ज हो रही हूं....।

अन्त के समय चलने वाले गीत पर अनुभव

13. हसरत है हमारी बाबा ---- दादियों से दृष्टि ---- बाबा मुझे पावरफुल दृष्टि दे रहे हैं---।